

## संलनात्मक - प्रकार्यात्मक उपागम

तुलनात्मक राजनीति के अध्ययन के लिए संलनात्मक - प्रकार्यात्मक उपागम का प्रतिपादन आरुड और पारेल ने किया। उन्होंने इस उपागम के माध्यम से राजनीतिक व्यवस्थाओं की संलना और प्रकार्यों को समझने का विचार प्रस्तुत किया।

संलनात्मक - प्रकार्यात्मक उपागम राजनीतिक व्यवस्था के अंतर्गत यह विश्लेषण करती है कि कौन सी संलना किन-किन कार्यों का सम्पादन करती है। यह उपागम दो प्रमुख धारणाओं पर केंद्रित है। पहला प्रकार्य एवं दूसरा संलना।

इस उपागम के द्वारा हम तुलनात्मक राजनीति का अध्ययन सुकारों की संलना एवं कार्यों का विश्लेषण करके कर सकते हैं। राजनीतिक व्यवस्था में प्रशासन को चलाने के लिए विभिन्न प्रकार की संलनाएं पाई जाती हैं जो नियम निर्माण से लेकर उसे लागू करने तक का कार्य करती हैं।